चर्च ऑफ द नाजरीन

हम विश्वास करते हैं

यह कि परमेश्वर एक हैं, अर्थात् पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा

यह की पुराने और नये – नियम का पवित्रशास्त्र पवित्रात्मा की शब्दशः प्रेरणा से रचा गया है, जिसमें विश्वास और मसीही जीवन के लिये आवश्यक सभी सत्यों का समावेश है।

यह कि सभी मनुष्यों का जन्म पाप में पतन की दशा में होता है और यही कारण है कि उनका रूझान बुराई की ओर होता है और यह लगातार बना रहता है।

यह कि अंतिम रूप में पश्चाताप न करने वाले सभी मनुष्य आशा रहित है और अनंतकाल के लिये खोए हुए हैं।

यह कि यीशु मसीह के द्वारा सम्पन्न प्रायश्चित का कार्य समस्त मानव जाति के लिये है; और जो कोई पश्चाताप करता और प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करता है, वह धर्मी ठहराया जाता है, पुर्नजीवन पाता है और पाप के वश से उद्धार पाता है।

यह कि विश्वासी–जन समग्र रूप में पवित्र किये जाते हैं, पुर्नजीवन के पश्चात् – प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करने के द्वारा.

यह कि पवित्रात्मा नये जन्म की और विश्वासियों के समग्र पवित्रीकरण की गवाही देता है.

यह कि हमारे प्रभु लौटकर आएंगे, मृतक जिलाये जायेंगे और अंतिम–न्याय किया जायेगा।